No. of Printed Pages : 4

MBG–004

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)
(MABGS)
Term-End Examination
June, 2026

MBG-004 : AKSHARBRAHMA EVAM RAJVIDYA YOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any four of the following questions.* *4×15=60*

1. Write about the all pervasiveness of 'Bhagavān'.
2. Describe the nature of knowledge according to the Gītā.

3. Describe the relationship between Bhakti and Jñāna.
4. Describe the nature of Death according to the Gītā.
5. Write about the divisions of Prakṛti as described in the Gītā.
6. Describe the Paramadhāma (The Ultimate Destination).
7. Write a note on Aksharabrahma.

Section—B

***Note** : Answer any four of the following questions.* *4×10=40*

1. Write a note on the Aparā Prakṛti.
2. Write about the nature of the Siddha and Siddhi.
3. Write a note on Kṛtrima Bhakti.
4. Write about the nature of Rājavidyā.
5. Define Adhibhūta and Adhiyajña.
6. Write a note on Life and Spirituality.
7. Explain the following :

   अवजानन्ति मां मूढा मानुषीं तनुमाश्रितम्।

   परं भावमजानन्तो मम भूतमहेश्वरम्॥

MBG–004

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.बी.जी.-004 : अक्षरब्रह्म एवं राजविद्या योग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. भगवान् की सर्वव्यापकता का वर्णन कीजिए।
2. गीता के अनुसार ज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
3. भक्ति और ज्ञान के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

4. गीता के अनुसार मृत्यु के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. गीता में वर्णित प्रकृति के भेदों का निरूपण कीजिए।

6. परमधाम का वर्णन कीजिए।

7. अक्षरब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. अपरा प्रकृति पर टिप्पणी लिखिए।

2. सिद्ध और सिद्धि के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

3. कृत्रिम भक्ति पर टिप्पणी लिखिए।

4. राजविद्या का स्वरूप लिखिए।

5. अधिभूत और अधियज्ञ को परिभाषित कीजिए।

6. जीवन और अध्यात्म पर टिप्पणी लिखिए।

7. व्याख्या कीजिए :

   अवजानन्ति मां मूढा मानुषीं तनुमाश्रितम्।

   परं भावमजानन्तो मम भूतमहेश्वरम्॥

× × × × ×